चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	12.10.2021	--	--

डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं किसान

एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान में डेयरी फार्मिंग विषय पर प्रशिक्षण का समापन

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया की कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के दिशा-निर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली [illegible]

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते वैज्ञानिक।

बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का बताया तरीका

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	12.10.2021	--	--

डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं किसान

बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक मिलेगा लाभ : डॉ. गोदारा

■ एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान में प्रशिक्षण का समापन

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया की कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के दिशा-निर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व हे बनाने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के तौर तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों से रूबरू कराया। डॉ.संदीप दूहन ने दूध के उत्पाद बनाकर इसका मूल्य संवर्धन करने व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके प्रॉडक्ट बना कर अपनी आय में इजाफा करने के बारे में बताया। डॉ. अमित पूनिया ने पशुपालकों को सामान्य बीमारियों के संदर्भ में गाय व भैंस की शारीरिक संरचना का परिचय देते हुए पशु के बाहरी लक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डॉ. सत्यवान ने चारे वाली फसलों का प्रबंध व साइलेज बनाने के तरीके बताए। ताकि किसान चारे की कमी होने पर उस समय खिलाकर चारे की कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. रेखा फोगाट ने मिल्क पाउडर बनाने के तरीके, आंवले का मुरब्बा, सब्जी के विशिष्ट तथा फलों का जूस में मशीनों का प्रयोग व उसमें आने वाली सावधानी के बारे में प्रायोगिक कर के सिखाया।

बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का बताया तरीका

प्रशिक्षण में डॉ. सतीश जाखड़ ने बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया ताकि डेयरी की यूनिट का आसानी से स्थापित की जा सके और बैंक से आने वाली समस्या का निदान हो सके। डॉ. सजिद ने स्वच्छ दूध उत्पादन व उसके भंडारण के समय सावधानियों के बारे में बताया ताकि दूध का अधिक समय तक भंडारित किया जा सके। डॉ. भूपेन्द्र ने हरे चारे व पशुओं के दाने में कीट प्रबंध में होने वाली कठिनाई के बारे में बताया। डॉ. शालिनी ने दूध से दही, लस्सी व श्रीखंड तैयार करने की जानकारी व महत्ता के बारे में बताया। डॉ. नीलेश ने पशुओं की बीमारियों और उनका निदान के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देश बंधु	12.10.2021	--	--

डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं किसान

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, 11 अक्टूबर (देशबन्धु)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया।

संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व हे बनाने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के तौर तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों से रूबरू कराया। डॉ.संदीप दूहन ने दूध के उत्पाद बना कर इसका मूल्य संवर्धन करने व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके प्रोडक्ट बना कर अपनी आय में इजाफा करने के बारे में बताया।

डॉ. अमित पूनिया ने पशुपालकों को सामान्य बीमारियों के सन्दर्भ में गाय व भैंस की शारीरिक संरचना का परिचय देते हुए पशु के बाहरी लक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डॉ. सत्यवान ने चारे वाली फसलों का प्रबंध व साइलेज व हे बनाने के तरीके बताए। ताकि किसान चारे की कमी होने पर उस समय खिला कर चारे की कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. रेखा फोगाट ने मिल्क पाउडर बनाने के तरीके, आंवले का मुरब्बा, गाजरों के बिस्किट तथा फलों का जूस में मशीनों का प्रयोग व उसमे आने वाली सामग्री के बारे मे प्रायोगिक कर के दिखाया।

बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का बताया तरीका

प्रशिक्षण में डॉ. सतीश जांगड़ा ने बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया ताकि डेयरी की यूनिट का आसानी से स्थापित की जा सके और बैंक से आने वाली समस्या का निदान हो सके। डॉ. तजिंद्र ने क्लीन दूध उत्पादन व उसके भंडारण के समय सावधानियों के बारे में बताया ताकि दूध का अधिक समय तक भंडारित किया जा सके। डॉ. भूपेन्द्र ने हरे चारे व पशुओं के दानें में कीट प्रबंध में होने वाली दवाइयों के बारे में बताया। डॉ. शालिनी ने दूध से दही, लस्सी व श्रीखंड तैयार करने की जानकारी व महत्ता के बारे में बताया। डॉ. नीलेश ने पशुओं की बीमारियों और उनका निदान के बारे में बताया। डॉ. सतीश मेहता ने फसलों व चारे की फसलों में होने वाली बीमारी के लक्षण व उनका उचित प्रबंधन के बारे में बताया। डॉ. नीरज अरोड़ा ने पशुओं के घाव,फोड़े अफारा रक्त गुल्म, कुत्ते के काटने पर एवं जलने की स्थिति में प्राथमिक उपचार की जानकारी दी। साथ ही पशुओं में मौसम परिवर्तन होने पर आने वाली बीमारिया एवं मुख्य रोग जैसे भूख न लगना, निमोनिया, खांसी, चिचड़ लगना, मुंह- खुर रोग, गंदगी खाना, थनैला, कटड़ों मे पेशाब रुकने की समस्या से बचाव के देसी नुस्खे बताए। डॉ. नरेंद्र सिंह ने डेयरी पशुओं का आवास प्रबंध के महत्व के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	12.10.2021	--	--

पंजाब केसरी

डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं किसान

कृषि विश्वविद्यालय में डेयरी फार्मिंग विषय पर प्रशिक्षण का समापन

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया की कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के दिशा-निर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व मिल्क पाउडर बनाने के तौर तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों से रूबरू करवाया। डॉ. संदीप दूहन ने दूध के उत्पाद बना कर इसका मूल्य संवर्धन करने व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके प्रोडक्ट बना कर अपनी आय में इजाफा करने के बारे में बताया। डॉ. अमित पूनियां ने पशुपालकों को सामान्य बीमारियों के सन्दर्भ में गाय व भैंस की शारीरिक संरचना का परिचय देते हुए पशु के बाहरी लक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डॉ. सत्यवान ने चारे वाली फसलों का प्रबंध व साइलेज व हे बनाने के तरीके बताए। ताकि किसान चारे की कमी होने पर उस समय खिला कर चारे की कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. रेखा फोगाट ने मिल्क पाउडर बनाने के तरीके, आंवले का मुरब्बा, बाजरे के बिस्किट तथा फलों का जूस में मशीनों का प्रयोग व उसमे आने वाली सामग्री के बारे मे प्रयोगिक कर के दिखाया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते वैज्ञानिक। (छाया : राज पराशर)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	12.10.2021	--	--

जीवन आधार

डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते किसान

SHARE 0

एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान में डेयरी फार्मिंग विषय पर प्रशिक्षण का समापन

जीवन आधार

हिसार,

[illegible]

जीवन आधार

[illegible]

बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का आसान तरीका

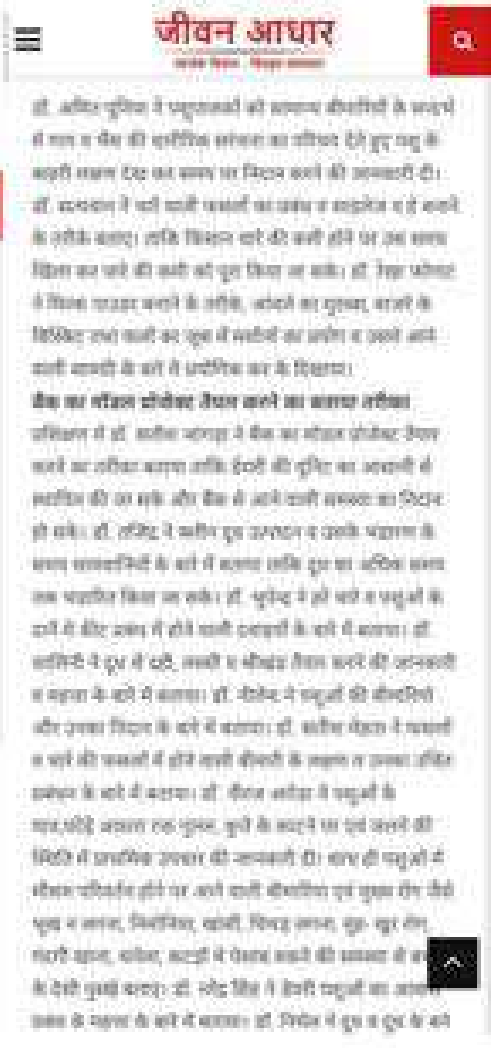

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिंदुस्तान समाचार	12.10.2021	–	–

हिन्दुस्थान समाचार
589k Followers

हिसार: डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाएं : डा. अशोक

11 Oct 2021 · 5:22 PM

एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान में डेयरी फार्मिंग विषय पर प्रशिक्षण का समापन

हिसार, 11 अक्टूबर (हि.स.)। एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने कहा है कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। डा. अशोक गोदारा सोमवार को संस्थान की ओर से डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व हे बनाने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के तौर तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों से रूबरू कराया। डॉ.संदीप दूहन ने दूध के उत्पाद बना कर इसका मूल्य सवर्धन करने व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके प्रॉडक्ट बना कर अपनी आय में इजाफा करने के बारे में बताया।

डॉ. अमित पूनिया ने पशुपालकों को सामान्य बीमारियों के सन्दर्भ में गाय व भैंस की शारीरिक सरंचना का परिचय देते हुए पशु के बाहरी लक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डॉ. सत्यवान ने चारे वाली फसलों का प्रबंध व साइलेज व हे बनाने के तरीके बताए। ताकि किसान चारे की कमी होने पर उस समय खिला कर चारे की कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. रेखा फोगाट ने मिल्क पाउडर बनाने के तरीके, आंवले का मुरब्बा, बाजरे के बिस्किट तथा फलों का जूस में मशीनों का प्रयोग व उसमे आने वाली सामग्री के बारे मे प्रयोगिक कर के दिखाया।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	12-10-21	05	01-05

डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं किसान

एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान में डेयरी फार्मिंग विषय पर प्रशिक्षण का समापन

हिसार, 11 अक्तूबर (देवानंद सोनी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया की कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के दिशा-निर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व हे बनाने के तरीके बताए। ताकि किसान चारे की कमी होने पर उस समय खिला कर चारे की कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. रेखा फोगाट ने मिल्क पाउडर बनाने के तरीके, आंवले का मुरब्बा, बाजरे के बिस्किट तथा फलों का जूस में मशीनों का प्रयोग व उसमे आने वाली सामग्री के बारे मे प्रयोगिक कर के दिखाया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते वैज्ञानिक।

बैंक का मॉडल प्रोजैक्ट तैयार करने का बताया तरीका

प्रशिक्षण में डॉ. सतीश जांगड़ा ने बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया ताकि डेयरी की यूनिट का आसानी से स्थापित की जा सके और बैंक से आने वाली समस्या का निदान हो सके। डॉ. तजिंद्र ने क्लीन दूध उत्पादन व उसके भंडारण के समय सावधानियों के बारे में बताया ताकि दूध का अधिक समय तक भंडारित किया जा सके। डॉ. भूपेन्द्र ने हरे चारे व पशुओं के दानें मे कीट प्रबंध में होने वाली दवाइयों के बारे में बताया। डॉ. शालिनी ने दूध से दही, लस्सी व श्रीखंड तैयार करने की जानकारी व महत्ता के बारे में बताया। डॉ. नीलेश ने पशुओं की बीमारियो और उनका निदान के बारे में बताया। डॉ. सतीश मेहता ने फसलों व चारे की फसलों में होने वाली बीमारी के लक्षण व उनका उचित प्रबंधन के बारे में बताया। डॉ. नीरज अरोड़ा ने पशुओं के घाव,फोड़े अफारा रक्त गुलम, कुत्ते के काटने पर एवं जलने की स्थिति में प्राथमिक उपचार की जानकारी दी। साथ ही पशुओं में मौसम परिवर्तन होने पर आने वाली बीमारिया एवं मुख्य रोग जैसे भूख न लगना, निमोनिया, खांसी, चिचड़ लगना, मुंह- खुर रोग, गंदगी खाना, थनेला, कटड़ों मे पेशाब रुकने की समस्या से बचाव के देसी नुस्खे बताए। डॉ. नरेंद्र सिंह ने डेयरी पशुओं का आवास प्रबंध के महत्ता के बारे में बताया। डॉ. निर्मल ने दूध व दूध के बने उत्पादों को बेचने, उसकी पेकिंग के अलावा खाने पीने वाली चीजों को बेचने के लिए लाइसेंस लेने की प्रक्रिया व उसकी महत्ता के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि जागरण	12-10-21	04	2-5

डेयरी फार्मिंग अपनाकर आमदनी बढ़ाएं : गोदारा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कुलपति प्रो बीआर काम्बोज के दिशा-निर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व हे बनाने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के तौर तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों से रूबरू कराया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय में प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते विज्ञानी। • एचएयू

विज्ञानियों ने ये दी जानकारियां

डा. संदीप दूहन ने दूध के उत्पाद बना कर इसका मूल्य सवर्धन करने व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके उत्पाद बना कर अपनी आय में इजाफा करने के बारे में बताया। डा. अमित पुनियां ने पशुपालकों को सामान्य बीमारियों के सन्दर्भ में गाय व भैंस की शारीरिक सरंचना का परिचय देते हुए पशु के बाहरी लक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डा. सत्यवान ने चारे वाली फसलों का प्रबंध व साइलेज व हे बनाने के तरीके बताए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उभर उजाला	12-10-21	03	01-02

डेयरी फार्मिंग से आमदनी बढ़ा सकते हैं किसान

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व हे बनाने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के तौर तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों से रूबरू कराया। प्रशिक्षण में डॉ. सतीश जांगड़ा ने बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया ताकि डेयरी की यूनिट का आसानी से स्थापित की जा सके और बैंक से आने वाली समस्या का निदान हो सके। डॉ. नीलेश ने पशुओं की बीमारियों और उनका निदान के बारे में बताया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	12-10-21	02	2-4

रुझान | पौष्टिक के साथ-साथ रक्तचाप को नियंत्रित करने में कारगर, किसान कर रहे पसंद

लुभा रही सफेद बटन मशरूम की खेती

खेत खलिहान

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा में किसान सफेद बटन मशरूम की खेती को काफी पसंद कर रहे हैं। यह मशरूम पौष्टिक भी है और उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने का काम भी करता है। यही कारण है कि किसान व युवा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लगातार इस मशरूम की खेती की जानकारी व प्रशिक्षण के लिए आवेदन कर रहे हैं। सिर्फ हरियाणा ही नहीं बल्कि पड़ौसी राज्यों से भी किसान मशरूम उत्पादन में अपना हाथ आजमाना चाहते हैं। एचएयू का एग्रीबिजनेस इन्क्यूबिशन सेंटर भी मशरूम उत्पादन के जरिए स्टार्ट अप स्थापित करने वालों को बढ़ावा दे रहा है। विज्ञानियों ने बताया कि हरियाणा प्रदेश खुम्ब उत्पादन मे पंजाब के बाद अपना स्थान बनाए हुए है। हरियाणा में ज्यादातर किसान सफेद बटन खुम्ब की खेती करते है और 3-4 महीने की इस फसल के समाप्त होते ही मशरूम फार्म को बंद कर देते है।

मशरूम को खाने से यह मिलता है स्वास्थ्य लाभ

ढींगरी व दूधिया मशरूम को लगाने का तरीका बहुत ही सरल है। इनमें स्वादिष्टता, पौष्टिकता और औषधीय गुण भी बटन मशरूम से ज्यादा पाये जाते है। ढींगरी व दूधिया खुम्बों में भी प्रोटीन, विटामिन, खनिज, लवण, अमीनो एसिड इत्यादि प्रचुर मात्र मे पाये जाते हैं। इन खुम्बों में भी कई तरह के औषधीय गुण मौजूद होते है जो शरीर मे होने वाले रोगों जैसे ज्यादा रक्तचाप, शुगर, कैंसर, दिल के रोगों इत्यादि से शरीर की रक्षा करने मे सहायक होते हैं।

कहां से ले सकते हैं मशरूम

एचएय की पौध रोग विभाग की मशरूम टैक्नालोजी प्रयोगशाला में सफ़ेद बटन मशरूम, ढींगरी मशरूम, दूधिया मशरूम इत्यादि का बीज उपलब्ध रहता है। मशरूम व्यवसाय की शुरुआत एक कमरे या शेड से शुरू करनी चाहिए और धीरे-धीरे इसे आगे बढ़ाना चाहिए।

ये तैयार होते हैं उत्पाद

खुम्ब से मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे खुम्ब का आचार, बिस्कुट, मुरब्बा, पापड़, वडियां, चटनी, कड़ी, कैंडी बनाई जा सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12-10-21	01	05

मॉनसून की वापसी से राज्य में 16 तक मौसम रहेगा परिवर्तनशील

हिसार। शहर में सोमवार को अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री व न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा और न्यूनतम तापमान सामान्य रहा। एचएयू कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़ ने बताया कि राजस्थान के ऊपर बने एक एन्टी साइक्लोनिक सर्कुलेशन व मॉनसून की वापसी से हरियाणा में 16 अक्टूबर तक मौसम परिवर्तनशील परन्तु खुश्क रहने की संभावना है। 17 अक्टूबर से बंगाल की खाड़ी में बनने वाले सम्भावित कम दबाव के क्षेत्र से मौसम में बदलाव जिससे हवाओं व गरज-चमक के साथ 17 अक्टूबर रात्रि व 18 अक्टूबर को कहीं-कहीं बूंदाबांदी संभावित है।